भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: सी-3, कॉनकॉर भवन, मथुरा रोड, अपोलो अस्पताल के सामने, नई दिल्ली-110076 (सीआईएन: L63011DL1988GOI030915)
ईमेल: investorrelations@concorindia.com, वेबसाइट: www.concorindia.com, फोन: 011-41673093-96, फैक्स: 011-41673112

29वीं वार्षिक सामान्य बैठक में अध्यक्षीय भाषण

प्रिय शेयरधारकों, देवियों और सज्जनों।

नमस्कार।

आपकी कंपनी की 29वीं वार्षिक सामान्य बैठक में आपका स्वागत करते हुए मैं बहुत प्रसन्न हूं। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार संभालने के बाद मेरा यह पहला संबोधन है। आज सभा में शामिल होने पर निदेशक मंडल की ओर से मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

वित्त वर्ष 2016–17 की वार्षिक रिपोर्ट तथा एजीएम नोटिस आपको पहले ही भेजे जा चुके हैं। आपकी अनुमति से मैं मान लेता हूं कि आपने इन्हें पढ़ लिया होगा। अब मैं देश के आर्थिक परिदृश्य विशेषतः लॉजिस्टिक क्षेत्र में वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान आपकी कंपनी की निष्पादन की संक्षिप्त उपलब्धियां बताना चाहूंगा।

आर्थिक परिदृश्य:

आपकी कंपनी का व्यवसाय अधिकतर वैश्विक समग्रता तथा देश के एग्जिम व्यापार पर निर्भर है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी और अनिश्चितताओं के कारण यह वर्ष मुश्किलों भरा रहा। पिछले वर्ष भारत की जीडीपी 7.1 थी। जीएसटी, उच्च मूल्य वर्ग की नोटबंदी, बुनियादी ढांचे पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने जैसे भारत सरकार ने विभिन्न प्रेरणादायी कदम उठाए हैं। इन सभी कदमों से आने वाले समय में देश की अर्थव्यवस्था तथा जीडीपी में उछाल आएगा। देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होने से लॉजिस्टिक्स सर्विस की मांग में इजाफा होगा और यह आपकी कंपनी के लिए अच्छी खबर है। आपकी कंपनी की अधिकतम आय मुख्यतः एग्जिम बिजनेस से होती है। वैश्विक आर्थिक संकेत लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और बेहतर वित्त प्रबंधन के लिए सरकार ने विभिन्न नीतिगत पहलों से सकारात्मक माहौल बना दिया है। इससे आपकी कंपनी पर अवश्य ही दूरगामी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

क्षेत्रवार निष्पादन:

वर्ष 2016–17 में प्रारंभिक स्थल से कार्गो डुलाई में भारतीय रेल ने 0.42% की मामूली वृद्धि दर्ज की है। गत वर्ष 2015–16 में 1,104.17 मिलियन टन के मुकाबले चालू वर्ष में 1,108.79 मिलियन टन की डुलाई की गई। रेल मार्ग से कंटेनरीकृत डुलाई जो गत वर्ष 2015–16 में 46.18 मिलियन टन थी वह 2.82% बढ़कर वर्ष 2016–17 में 47.49 मिलियन टन हो गई। आपकी कंपनी ने वर्ष 2016–17 के दौरान कार्गो हैंडलिंग में 38.12 मिलियन टन का लक्ष्य हासिल किया। देश के सभी पोर्टों पर कंटेनर हैंडलिंग में आपकी कंपनी ने गत वर्ष 2015–16 में 11.97 मिलियन टीईयू की तुलना में वर्ष 2016–17 के दौरान 12.74 मिलियन टीईयू संचालित किए जिससे 6.43% की वृद्धि दर्ज हुई। पोर्ट से हिंटरलैंड तक कंटेनरों का इनलैंड पेनिट्रेशन लगभग 19% रहा।

मूल्य के संदर्भ में देश का कुल निर्यात 4.71% बढ़ गया है। वर्ष 2015–16 में यह 262 बिलियन डॉलर से बढ़कर वर्ष 2016–17 में 275 बिलियन डॉलर हो गया। देश का आयात 0.17% गिरावट के साथ वर्ष 2015–16 के 381 बिलियन डॉलर से घटकर वर्ष 2016–17 में 380 बिलियन डॉलर रह गया। चावल, ऑटोपार्ट्स तथा रेडीमेड गारमेंट आदि निर्यातित मदों में वृद्धि हुई है। एल्यूमिनियम स्क्रैप, पीवीसी रेसिन, मशीन आदि आयातित वस्तुओं में वृद्धि हुई है। हैवी मेल्टिंग स्क्रैप के आयात में कमी आई है।

निष्पादन उपलब्धियां:

व्यावसायिक वातावरण की चुनौतियों से निपटकर, केंद्रित दृष्टिकोण, सही नीतियों और मेहनती तथा निष्ठापूर्ण कॉनकॉर टीम की बदौलत आपकी कंपनी ने वर्ष 2016–17 में मिलाजुला निष्पादन किया। वर्ष 2016–17 की दो तिमाहियों में कंपनी का निष्पादन बहुत अच्छा रहा। इससे हमारे मार्केट शेयर में सुधार हुआ है। मुझे विश्वास है कि कंपनी दीर्घावधि में स्थायी वृद्धि की ओर जा रही है। कुछ जानकारियां जैसेकि व्यवसाय की मात्रा, वित्तीय निष्पादन, कैपेक्स, लाभांश आदि का वर्णन मैं यहां कर रहा हूं:

व्यावसायिक मात्रा, टर्नओवर एवं लाभप्रदता:

आपकी कंपनी ने वर्ष 2016–17 में 3.10 मिलियन टीईयू का थ्रूपुट हासिल किया जबकि वर्ष 2015–16 में यह 2.92 मिलियन टीईयू था। आपकी कंपनी के ऑपरेटिंग टर्नओवर में 5.33% की गिरावट के साथ 2015–16 में 5,922 करोड़ रूपए से घटकर वर्ष 2016–17 में 5,606 करोड़ रूपए हो गया। सकल टर्नओवर 5.51% से घटकर 5,895 करोड़ रूपए हो गया। ऑपरेटिंग प्रॉफिट एवं नेट प्रॉफिट क्रमशः 1,532 करोड़ रूपए और 858 करोड़ रूपए हो गया। वर्ष के दौरान प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) 35.21 रूपए तथा प्रति शेयर बुक वैल्यू 454 रूपए रही। वित्तीय वर्ष 2017–18 की पहली तिमाही में भौतिक एवं वित्तीय स्तरों पर बहुत अच्छा निष्पादन किया। इस तिमाही में कंटेनर संचालन 14.64% बढ़कर कंपनी ने सकल टर्नओवर 1,550 करोड़ रूपए तथा नेट प्रॉफिट 243 करोड़ रूपए हासिल किया। इसमें क्रमशः 11.19% तथा 36.36% वृद्धि हुई।

पूंजीगत व्यय:

दीर्घकालिक व्यावसायिक परिदृश्य में आपकी कंपनी को पूरा भरोसा है। इसीलिए कंपनी ढांचागत सुविधाओं को विस्तार देने में लगातार निवेश कर रही है। मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्कों के निर्माण से भविष्य में कॉनकॉर को लाभ मिलेगा। वर्ष के दौरान 1,057 करोड़ रूपए का पूंजीगत व्यय मुख्यतः मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्कों के विकास/टर्मिनल विस्तार, वैगन,संचालन उपकरणों की खरीद और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किया गया। सर्विस लेवल को मजबूत बनाने और इसमें सुधार करने के लिए वर्ष के दौरान 500 बीएलसी वैगन मौजूदा बेड़े में जोड़े गए। दिनांक 31.03.2017 तक वैगनों की संख्या 13,998 हो गई।

पूंजी एवं नेटवर्थ:

आपकी कंपनी की नेटवर्थ गत वर्ष के 8,346 करोड़ रूपए से बढ़कर 8,846 करोड़ रूपए हो गई। इसी तरह नियोजित पूंजी गत वर्ष के 7,314 करोड़ रूपए से बढ़कर 7,713 करोड़ रूपए हो गई है। दिनांक 31.03.2017 तक कंपनी का बाजार पूंजीकरण 24,834 करोड़ रूपए हो गया। पिछले सप्ताह के दौरान यह राशि 33,500 करोड़ रूपए हो गई।

लाभांश एवं जारी बोनस:

वित्तीय निष्पादन एवं कैपेक्स की अपेक्षाओं और भावी संभावनाओं के मद्देनजर आपको सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता है कि आपकी कंपनी के निदेशक मंडल ने 9.60 रूपए प्रति शेयर (96%) की दर से अंतरिम लाभांश तथा 7.50 रु. प्रति शेयर (75%) की दर से अंतिम लाभांश देने की घोषणा की है, इसके साथ ही वर्ष 2016–17 में लाभांश का वितरण (लाभांश वितरण कर रहित) 445.29 करोड़ रूपए हो जाएगा। वित्त वर्ष 2016–17 के लाभांश की यह राशि कॉनकॉर की अब तक की सबसे अधिक राशि है। अप्रैल 2017 में कंपनी ने शेयरधारकों को 1:4 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए है।

कार्यनीतियाँ और पहलें:

आपकी कंपनी के पास देशभर में फैला आधुनिकतम इंटरमोडल टर्मिनल का विशालतम नेटवर्क मौजूद है। यहां से कंटेनर हैंडलिंग सभी पोर्टों पर अपनी सबल मौजूदगी सहित पेनिट्रेशन सुविधा प्रदान करता है। इन सुविधाओं के फलस्वरूप आपकी कंपनी देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निर्विवादित अग्रणी बनी हुई है। रोलिंग स्टॉक के विशालतम बेड़े की उपलब्धता, स्पेशलाइज्ड कंटेनर हैंडलिंग इक्यूपमेंट, कस्टमाइज्ड, लीज्ड/ओन्ड कंटेनर, पूर्णतया कंप्यूटर आधारित परिचालन, इंटरनेट बेस्ड कस्टमर, कस्टम इंटरफेस आदि सुविधाएं होने पर आपकी कंपनी अपने प्रतिस्पर्धियों से अच्छी स्थिति में है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, डीएमआईसी और देश के बड़े इंडस्ट्रियल हब के साथ लगती सुविधाओं का विकास होने से हमें आशा है कि हमारे व्यवसाय का विस्तार होगा। एयरकार्गो ऑटोमोबाइल सेक्टर, फूड सप्लाई चेन मैनेजमेंट तथा कोस्टल शिपिंग से विविधताओं हेतु बाजार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। इन पर कार्य किया जा रहा है।

भविष्य के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पाने के लिए आपकी कंपनी ने कार्यनीतियां और योजनाएं बना ली है। इन कार्यनीतियों के अंतर्गत बढ़े औद्योगिक क्षेत्रों में फ्रेट कॉरिडोर के साथ लगते इच्छित स्थानों पर मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्कों की स्थापना सहित निम्नलिखित सुविधाएं विकसित की है जिनमें प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल स्थापित करना, रोड ब्रिजिंग सॉल्यूशन, डबल स्टैक लॉंग हॉल ट्रेन की शुरूआत, रेल ट्रांसशिपमेंट हब (आरटीएच) का विकास, ग्राहकों के लिए इनोवेटिव 3पीएल/4पीएल सॉल्यूशन, विदेश उद्यम मूल्यांकन, विविधता एवं उत्पाद विभेद, एयरकार्गो केंद्र का परिचालन, ई–ट्रांजेक्शन के माध्यम से लेनदेन लागत कम करना तथा क्रॉस डॉकिंग, रैपिंग, लेबलिंग, पैलेटाइजेशन, बारकोडिंग जैसी अन्य वैल्यू एडेड सर्विस उपलब्ध कराना है।

इस पहल से हिंटरलैंड एवं गुजरात के गेटवे पोर्ट से डबल स्टैक मूवमेंट को वृद्धि करके टर्मिनल क्षमताओं का उपयोग करना है। इससे रेल संग्रह में वृद्धि हुई है तथा हमारी सर्विस प्रतिस्पर्धात्मक हुई है। राजस्थान के खाटूवास में इसकी शुरूआत पहले ही हो चुकी है। इसके वॉल्यूम में वृद्धि होने के साथ–साथ पोर्ट तथा हिंटरलैंड टर्मिनलों पर कंटेनरों का वेटिंग पीरियड भी कम हो जाएगा जिससे शिपिंग लाइनें अधिक से अधिक कंटेनरों का ट्रांसपोर्टेशन कर पाएंगी। टाइम टेबल्स ट्रेन सेवा चलाने से व्यापार से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। यह सेवा आंतरिक (चैन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद) और एक्जिम (टीकेडी–दादरी से खाटूवास के लिए) क्षेत्रों के लिए शुरू की गई थी।

कॉनकॉर, जीएसटी के कार्यान्वयन के बाद उभरते अवसरों और वेयरहाउस, ई–कॉमर्स, 3पीएल आदि के क्षेत्र में नए व्यावसायिक अवसरों में गहरी दिलचस्पी रखे हुए है और लाभ उठाने के लिए तैयार है। हमारी प्रतिबद्धता न केवल हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करना है बल्कि निवेशकों के लिए निवेश का मूल्य भी प्रदान करना है। हमारा लोकाचार "ग्राहक मूल्य निर्माण" है।

अतः चुनौतीपूर्ण व्यावसायिक माहौल अनिश्चितताओं और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद मुझे विश्वास है कि हमारी कार्यनीतियां, उपलब्ध संसाधनों, घरेलू समर्पित पेशेवर टीम और आपके समर्थन के साथ, हम अपनी कंपनी के सभी निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम हो जाएंगे।

संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियॉं:

आपकी कंपनी ने कई संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियों की स्थापना की है। संयुक्त कंपनियों का गठजोड़ औद्योगिक क्षेत्र के प्रमुखों के साथ इसलिए किया गया है ताकि वे एक दूसरे की विशेषज्ञता का आपसी लाभ ले सकें। इन उद्यमों ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में कॉनकॉर के व्यवसाय को बढ़ाने की दिशा में योगदान दिया हैं। इन गठबंधनों को इसलिए भी मजबूत किया गया है ताकि दोनों बुनियादी सुविधाओं के इष्टतम प्रयोग के साथ–साथ वैल्यू चेन का दूसरे खंड़ो में विस्तार कर लक्ष्यों को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सकें।

आपकी कंपनी ने विविधतापूर्ण ओर कार्यनीतिक कारणों की वजह से अपने व्यवसाय का विस्तार करने के उद्देश्य से सहायक कंपनियों की स्थापना की है। वर्तमान में, इसकी दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियॉं मैसर्स फ्रेश एंड हैल्थी इंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफएचईएल) तथा मैसर्स कॉनकॉर एयर लिमिटेड तथा दो अन्य सहायक कंपनियॉं नामतः मैसर्स सिडकुल कॉनकॉर इंफ्रा कंपनी लिमिटेड (एससीआईसीएल) और मैसर्स पंजाब लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पीएलआईएल) है, जो क्रमशः उत्तराखंड और पंजाब राज्य सरकार की दो कंपनियों के साथ साझेदारी में स्थापित की गई है।

मैसर्स फ्रेश एंड हैल्थी इंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफएचईएल) को देश में कोल्ड स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और विभिन्न हितधारकों के लिए पूर्ण कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था। हालांकि, वर्ष दर वर्ष कंपनी में हानि होने से तथा विभिन्न कार्यान्वित कार्यों के बावजूद नुकसान को ध्यान में रखते हुए, यह निर्णय लिया गया कि वर्ष के दौरान कोई खरीद कार्य नहीं किया जाएगा और वर्ष 2016–17 में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लीजिंग मॉडल का पालन करेगी। वेयरहाउस के लिए दीर्घकालिक आधार पर इच्छुक पार्टियों को पूरी सुविधा को लीज पर देने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2016–17 के दौरान एफएचईएल को 13.74 करोड़ रुपये की निवल हानि हुई है जबकि वर्ष 2015–16 के दौरान 25.89 करोड़ रुपये की निवल हानि हुई थी।

कॉनकॉर एयर लिमिटेड (सीएएल) का उद्देश्य ग्राहकों के लिए एयरकार्गो में अंतरराष्ट्रीय के साथ–साथ आंतरिक परिचालन क्षेत्र में बॉडेड ट्रकिंग और एयरकार्गो के भंडारण के माध्यम से एंड टू एंड सुविधा देना है। इसने मुंबई में अत्याधुनिक ग्रीन टर्मिनल सांताक्रूज एयर कार्गो टर्मिनल (एसकेसीटी) स्थापित किया है जिसमें परिचालन एवं आंतरिक एयरकार्गो प्रबंधन के लिए अति आधुनिक भंडारण सुविधाओं जैसे हैंडलिंग, स्क्रीनिंग, कोल्ड स्टोरेज आदि की सुविधा है। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे लिमिटेड (एमआईएएल) के साथ किए गए कंसेशन समझौते के अनुसार यह परिचालन एवं प्रबंधन सुविधाओं में एयरकार्गो कॉम्प्लैक्स (एसीसी) सहार, मुंबई से अंतरराष्ट्रीय एयर कार्गो से संबंधित प्रबंधन सेवाएं प्रदान कर रहा है। कंपनी ने वर्ष 2015–16 में 14.94 करोड़ रूपए की तुलना में वर्ष 2016–17 में 7.84 करोड़ रूपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

सिडकुल कॉनकॉर इंफ्रा कंपनी लिमिटेड (एससीआईसीएल), जिसमें कॉनकॉर की (74%) और राज्य इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (सिडकुल) (26%) की संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसने पंतनगर में एक एमएमएलपी विकसित किया है। एससीआईसीएल द्वारा आंतरिक रेल संचालन परिचालन नवंबर 2015 में एवं एक्जिम व्यवसाय परिचालन सितंबर, 2016 में शुरू किया है। इसने 2016–17 में 280 रेक और कुल 22,229 टीईयू उक्त अवधि के दौरान कंटेनर परिचालित किए। तेजी से औद्योगिकीकरण हो रहे उत्तराखंड राज्य में रेल लॉजिस्टिक हेतु प्रमुख लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता के रूप में इस कंपनी के आगे आने की उम्मीद है।

पंजाब लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पीएलआईएल) जिसमें कॉनकॉर की (51%) एवं कॉनवेयर की (49%) हिस्सेदारी है। संयुक्त उद्यम कंपनी ने लुधियाना के निकट एक मल्टीमोडल लॉजिस्टिक हब (एमएमएलएच) स्थापित किया है। इसके पहले चरण से संबंधित काम पूरा हो चुका है और वाणिज्यिक गतिविधियां हाल ही में शुरू हुई हैं। इस टर्मिनल को रेलवे द्वारा व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने के लिए प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल के रूप में मार्च, 2017 में वाणिज्यिक रूप से अधिसूचित किया गया है। पीएलआईएल परियोजना से कंटेनरों की डबल स्टैक गाड़ी सहित रेवाड़ी और गेटवे पोर्ट के बीच पंजाब क्षेत्र के व्यापार को फायदा होगा, जिससे समग्र अंतर्देशीय डुलाई लागत भी कम होगी।

प्रौद्योगिकी और मानकीकरण:

आपकी कंपनी हमारी आईटी क्षमताओं का लाभ लेते हुए डिजिटल रूपांतरण के साथ प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए यह अपने ग्राहकों को कुशल सेवाएं प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम उपकरण उपलब्ध कर रहा है जिससे व्यापार का बेहतर प्रबंधन, उत्पादकता में सुधार और लागत में कटौती करने में मदद मिलती है। आपकी कंपनी द्वारा उठाए गए कुछ आईटी पहल जो सुचारू रूप से काम कर रहे हैं उनमें वीएसएटी आधारित नेटवर्क, वेब सक्षम ग्राहक इंटरफेस और फीडबैक, सार्वजनिक शिकायत दर्ज करना और मॉनिटरिंग सिस्टम, ग्राहकों द्वारा एक्जिम टर्मिनलों के लिए दस्तावेजों की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग की सुविधा, वाणिज्यिक व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों बैकअप साइट और स्टैंडबाय सिस्टम, सभी कर्मचारियों की जरूरतों हेतु कर्मचारी पोर्टल, ई–पेमेंट सुविधा के साथ ई–निविदा प्रणाली, ऑनलाइन सतर्कता मंजूरी के लिए ई–समर्थ आवेदन, एजीएम के लिए ई–वोटिंग, दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली –डिजिटिकरण हेतु एक कदम, मोबाइल ऐप से ग्राहकों को निरंतर माल दृश्यता प्रदान करना, एसएमएस सुविधा और हमारी इंटरेक्टिव वेबसाइट आदि शामिल है।

मानव संसाधन प्रबंधन:

संगठन में मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) को कर्मचारियों के प्रदर्शन को बढ़ाने और प्रेरित करने के कार्यनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी में मानव संसाधन रणनीति कर्मचारियों के लिए प्रेरक कारक है जो कंपनी की कोर सक्षमता में योगदान देती है तथा जो संगठन की भावी जरूरतों और व्यक्तिगत कर्मचारियों की आकांक्षाओं के बीच तालमेल बैठाती है। आपकी कंपनी, कर्मचारियों की सशक्तिकरण, विकास और उनकी संभावनाओं को जानकर, नवीन विचारों को प्रोत्साहित करने और पुरस्कारों का उचित वितरण कर प्रोत्साहन देने में विश्वास करती है। कंपनी की कार्य प्रणाली ओपन है जिसमें कर्मचारी शीर्ष प्रबंधन के सक्रिय सहयोग से अपने कार्य में पहल करते हैं।

मानव संसाधन संबंधी सेवाओं का समयबद्ध वितरण राइट टू सर्विस के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है। यहाँ की संस्कृति परफॉरमेंस उन्मुख है, जिसमें संगठन के लिए हर कर्मचारी का योगदान मापा जाता है और उचित रूप से पुरस्कृत किया जाता है। कंपनी के पास एक साऊंड और परिणामोन्मुख परफॉरमेंस प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) है। यह प्रणाली कॉनकॉर की सभी स्तर पर प्रतिभा पहचानने एवं पुरस्कृत करने के दर्शन को बढ़ावा देती है तथा संरचित अप्रोच के माध्यम से कार्यपालकों के विकास में मदद करती है। कौशल विकास को अत्यंत महत्व दिया जाता है जिसमें संगठनात्मक और कर्मचारियों की जरूरतों के अनुसार इन–हाउस और विशेष विषय आधारित प्रशिक्षण दोनों दिए जाते हैं।

कॉनकॉर ने औद्योगिक शांति और सामंजस्य बनाए रखा और वर्ष के दौरान कोई कार्यदिवस खराब नहीं हुए। यह कर्मचारियों के विचारों और प्रेरणा, भागीदारी, खुले प्लेटफार्म आदि पर चर्चा के लिए दो तरफा संपर्क प्रदान करता है। मानव संसाधन विकास प्रबंधन में कंपनी द्वारा किए गए प्रयासों और पहलों से उत्पादकता में सुधार, नई प्रतिभाओं को आकर्षित करने और मौजूदा मानव संसाधन को बनाए रखने से कर्मचारियों द्वारा कंपनी छोड़ने की प्रतिशतता 2% से कम है।

निगमित शासन:

सभी हितधारकों के लिए मूल्य निर्माण में आपकी कंपनी पारदर्शी और नैतिक शासन प्रथाओं के उच्चतम मानकों को कायम करती रही है। कॉनकॉर में निगमित शासन ढांचे के मार्गदर्शक और कानून/नियमों के अनुपालन पर आधारित होते हैं, पारदर्शी प्रणाली/ व्यवहार को अपनाने, बढ़ावा देने और सभी हितधारकों, अखंडता और सभी कर्मियों के नैतिक व्यवहार की रक्षा करने और पारदर्शी एवं समय पर जानकारियां प्रकट करने में विश्वास करती है।

सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियम, 2015 के प्रावधानों का पालन करने के अलावा, यह लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी कॉर्पोरेट गवर्नेंस के दिशानिर्देशों का भी पालन करती है। आपकी कंपनी इस संबंध में संगत विनियामक और सांविधिक रूपरेखा का पालन करती है। प्रमाण के रूप में, निगमित शासन पर प्रासंगिक सेबी विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार आपकी कंपनी की अनुपालना संबंधी जांच विशेषज्ञ द्वारा प्रमाणित किया गया है, जिसका प्रमाणपत्र 2016–17 की निदेशकों की रिपोर्ट का हिस्सा है।

निगमित सामाजिक दायित्व:

सीएसआर पहल के तहत गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियां शुरू कर अपने सभी हितधारकों के सतत विकास की दिशा में जारी रही। सीएसआर गतिविधियों में जो उद्देश्य चिन्हित किए गए हैं उनमें मुख्यतः जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल, स्वच्छता, शिक्षा/साक्षरता वृद्धि, सामुदायिक विकास और पुनर्वास उपायों, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन, बुनियादी ढांचे एवं ग्रामीण विकास आदि शामिल हैं। कुछ सीएसआर गतिविधियॉं नीचे दी गई हैं:

- उत्तर प्रदेश के भदोही, फूलपुर, श्रावस्ती एवं गाजीपुर जैसे जिलों में अविद्युतीकृत ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर लाइट प्रदान करना जिससे ग्रामीण आबादी की एक बड़ी संख्या लाभान्वित हुई एवं इसके साथ–साथ उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ।
- भारत सरकार द्वारा स्थापित शौचालय के निर्माण के लिए स्वच्छ भारत कोष में योगदान।
- बस्ती, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, भिवानी, हरियाणा, किन्नूर, केरल के स्कूलों में शौचालयों का निर्माण करना जिससे स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में गिरावट आए एवं स्कूलों में स्वच्छता को बढ़ावा मिलें।
- समाज के बेहतर भविष्य एवं लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के स्कूलों में इन्फ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट जिससे समाज के बेहतर भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करना।
- विभिन्न कौशल विकास गतिविधियों के अंतर्गत 15 राज्यों में अन्य पिछड़े वर्ग के युवाओं एवं उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और कानपुर के 500 अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
- संगठन के 25 प्रमुख टर्मिनलों के आसपास 78 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करना जिससे लगभग 56,000 स्टेकहोल्डरों को लाभ हुआ।
- उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिले में 30 आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को उच्च पाठ्यक्रम जैसे जेईई इत्यादि हेतु मुफ्त प्रशिक्षण, खाने–पीने और रहने की सुविधा प्रदान करना।

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने सीएसआर गतिविधियों के लिए 24.45 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

पुरस्कार और सम्मान:

आपकी कंपनी की उपलब्धियों और निष्पादन को देखते हुए, वर्ष 2016–17 के दौरान विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- 'ट्रांसपोर्ट सर्विसेज' सेक्टर के तहत डन एंड ब्रॉडस्ट्रीट इंडिया शीर्ष पीएसयू पुरस्कार 2016 ।
- "आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ पीएसयू इन ट्रांसपोर्ट सेक्टर" हेतु दैनिक भास्कर के 8वें इंडिया प्राइड अवार्ड 2016–17 से सम्मानित।
- 'ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स' सेक्टर के तहत डन एंड ब्रॉडस्ट्रीट इंडिया टॉप 500 कंपनीज एंड कॉरपोरेट अवार्ड 2016 से सम्मानित।
- सिविल वर्क्स पर उत्कृष्ट अध्ययन हेतु हैदराबाद में विजिलेंस स्टडी सर्कल द्वारा विजिलेंस एक्सिलेंस अवार्ड 2016।
- मार्केट लीडरशिप प्राप्त करने के लिए स्कॉच बीएसई अवार्ड 2016।
- 2016 में फॉर्च्यून 500 भारतीय कंपनियों में 195वां रेंक।
- फॉर्च्यून इंडिया द्वारा भारत के सबसे लाभदायक पीएसयू में 25वां रेंक।

भावी दृष्टिकोण:

आर्थिक परिदृश्य में तेजी आने के साथ सरकार द्वारा मेक इन इंडिया तथा जीएसटी के कार्यान्वयन जैसे नये कदम उठाने से आपकी कंपनी एक्जिम एवं आंतरिक दोनों क्षेत्रों में उच्च विकास दर प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले महीनों में इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों जैसे भण्डारण, ई–कॉमर्स, वैल्यू एडेड सेवाएं आदि पर उपलब्ध असीमित संभावनाओं का फायदा उठाने का लक्ष्य है। हमारी आईटी जनित सेवाएं सतत कार्गो की दृश्यता प्रदान के हमारे प्रयासों में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मोबाइल एप्लिकेशन पहले से ही शुरू किया जा चुका है और आगे इसे डिजिटल मंच के रूप में विकसित किया जाएगा जिससे लॉजिस्टिक वितरण एवं पहली और अंतिम मील कनेक्टिविटी पर व्यापक लॉजिस्टिक समाधान दे सके। आंतरिक व्यवसाय हेतु चैन्नई, बेंगलुरू और हैदराबाद से शुरू कर आगे खाटूवास हेतु टीकेडी–दादरी तक समयबद्ध ट्रेनें चल रही हैं।

एक्जिम सेगमेंट के संबंध में, भारतीय निर्यात की बाहरी मांग में सुधार से वॉल्यूम को बढ़ावा देने और असंतुलन के मुद्दों की देखभाल करने में सहायता मिलेगी, जिससे दूरदराज में कंटेनरों की आवाजाही बढ़ेगी। उत्तर पश्चिम पोर्ट से डबल स्टैक आवाजाही में विशेष रूप से एमएमएलपी खाटूवास के चालू होने से रेल को इफिसिएंट कंटेनर आवाजाही बढ़ने में मदद मिली है, सड़क मार्ग से हल्के वजन के कार्गो को आकर्षित किया है। 150 से भी अधिक डबल स्टैक ट्रेनें प्रतिमाह चलाई जा रही हैं और इसमें तेजी से वृद्धि की जाएगी। इस तरह भंडारण, पैलेटाइजेशन, सूची प्रबंधन आदि मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करने से अधिक राजस्व की उम्मीद की जा रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार, इनोवेटिव बिजनेस सोल्यूशन जैसी अन्य गतिविधियां जो ऊपर बताई गई है इनसे कॉनकॉर की मार्केट लीडरशिप लॉजिस्टिक क्षेत्र में स्थिति और सुदृढ़ हो जाएगी।

आगे, आपकी कंपनी नई पहल करना जारी रखेगी और 'ग्राहक संतुष्टि'से बढ़कर 'ग्राहक मूल्य सृजन' का प्रयास करेगी।

आभार:

मैं कॉनकॉर के प्रयासों के प्रति आपके विश्वास एवं सतत संरक्षण के लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अपने सभी ग्राहकों, निर्यातकों/आयातकों, सहयोगियों, लाइनर्स, व्यापारिक सहयोगियों को उनके विश्वास और कंपनी को अबाध समर्थन करने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं अपने बोर्ड सहयोगियों लेखापरीक्षकों, रेल मंत्रालय, शिपिंग, वाणिज्य और उद्योग, वित्त और सभी नियामक प्राधिकरणों से प्राप्त मार्गदर्शन, महत्वपूर्ण सहयोग को स्वीकार एवं सराहना करता हूं। मैं इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रेस को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने रचनात्मक कवरेज प्रदान किया। अंत में, मैं कॉनकॉर की उपलब्धियों को साकार करने वाली कॉनकॉर टीम की बहुमूल्य सेवाओं की प्रशंसा करता हूँ।

मुझे विश्वास है कि हमारे सभी स्टेकहोल्डरों एवं शुभचिंतकों के साथ–साथ भारत सरकार के निरंतर समर्थन और संरक्षण से कॉनकॉर भविष्य में सफलता के नए शिखर तक पहुंचेगा।

देवियों एवं सज्जनों, आपका पुनः धन्यवाद।

20 सितंबर, 2017
नई दिल्ली

वी. कल्याण रामा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक